हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 18 | श्रावस्ती, मंगलवार 24 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

बच्ची की बात सुन मुस्कुरा उठे सीएम योगी

गोरखपुर (एजेन्सी)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया। इस दौरान मुरादाबाद से वाची नाम की नन्हीं बच्ची अपनी बात लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंची। फरियाद सुनते हुए जब मुख्यमंत्री इस बच्ची के पास पहुंचे तो सबसे पहले उसका हाल पूछा। फिर उसका भी प्रार्थना पत्र लिया और पढ़ा। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाची से पूछा तू, स्कूल नहीं जाना चाहती है। इस पर बच्ची ने कहा कि श्नहीं, मैं स्कूल जाना चाहती हूं। मैं यह कह रही हूं कि आप स्कूल में मेरा एडमिशन करा दो। इस पर मुख्यमंत्री ने पूछा, किस क्लास में... 10वीं या 11वीं में? बच्ची ने तपाक से उत्तर दिया– अरे, मुझे नाम नहीं पता। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद को प्रार्थना पत्र सौंपा। कहा कि इस बच्ची का एडमिशन हर हर हाल में कराओ।

दिल्ली के कई इलाकों में झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजधानी दिल्ली में लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली के पॉश इलाके चाणक्यपुरी में सोमवार को झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले दो दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया हुआ है। वहीं दूसरी तरफ 25 से 28 जून तक तेज बारिश की संभावना है।

दिल्ली के कुछ इलाकों में बीते रविवार को हल्की बारिश से तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। उम्मीद है कि पूरे सप्ताह तापमान सामान्य से कम रहेगा। हालांकि बारिश की उम्मीद काफी कम है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र नई दिल्ली के मुताबिक रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं दिल्ली का न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

पंजाब उपचुनाव में आम आदमी पाटी की हुई जीत

पंजाब (एजेन्सी)। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत हुई। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से पूछा गया कि क्या आप अब राज्यसभा जाएंगे तो उन्होंने स्पष्ट किया, श्मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति तय करेगी कि कौन राज्यसभा जाएगा।श विधानसभा हलका लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सभी को बधाई दी। मान ने एक्स पर लिखा, श्बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश हैं। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन–रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

होटल, गेस्ट हाउस के लाइसेंस देंगे नगर निकाय

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजधानी में व्यापार को आसान बनाने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब होटल, गेस्ट हाउस, स्विमिंग पूल, वीडियो गेम पार्लर, ऑडिटोरियम और मनोरंजन पार्क जैसे सात कामों के लाइसेंस पुलिस की जगह नगर निकाय और संबंधित विभाग जारी करेंगे। दिल्ली सरकार ने कारोबारियों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल और तेज करने के लिए ये कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल वीके सक्सेना का आभार जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये डबल इंजन सरकार का तोहफा है। अब से लाइसेंस नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और कैंटोनमेंट बोर्ड जैसे निकाय जारी करेंगे।

सीएम योगी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की श्रद्धांजलि, बोले- अखंड भारत के लिए दिया था बलिदान

लखनऊ (एजेन्सी)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को भाजपाइयों ने जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिविल अस्पताल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज ही के दिन 1953 में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखण्ड भारत के लिए बलिदान दिया था। स्वतंत्र भारत में कैबिनेट मंत्री के रूप में उन्होंने देश को अपने विजनरी नेतृत्व में लाभान्वित किया। देश की औद्योगिक नीति तय करने में बड़ी भूमिका निभाई। सीएम ने आगे कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के तत्काल बाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के साथ किए जा रहे खिलवाड़ को देखते हुए इस्तीफा दिया। भारतीय जन संघ के पहले अध्यक्ष के रूप में देश में एक नई राजनीतिक शुरुआत को आगे बढ़ाया था। सीएम योगी ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने वर्ष 1952 प्रथम आम चुनाव के बाद देश के संविधान में धारा 370 को टाल करके राष्ट्रीय एकता को चुनौती दी थी। इसके साथ ही कश्मीर में परमिट सिस्टम लागू किया गया। सरकार के लोगों ने ही देश की सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता को चुनौती देने का काम किया। इस पर डॉ. मुखर्जी ने एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान का उद्घोष करते हुए कश्मीर में प्रवेश किया था। इस दौरान उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया। जम्मू कश्मीर की जेल में उन्होंने 23 जून 1953 को बलिदान दे दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि डॉ. मुखर्जी ने वर्ष 1953 में जो सपना देखा था, श्एक भारत...अखंड भारत और सुरक्षित भारतश का उसे साकार होने में 65 से 66 वर्ष लगे। जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में धारा 370 समाप्त हुई। आज जम्मू कश्मीर लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के साथ भारत के संविधान की भावनाओं के अनुरूप एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पनाओं को साकार कर रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज ही के दिन 1953 में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखण्ड भारत के लिए बलिदान दिया था।

रूस के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलट दी पूरी बाजी

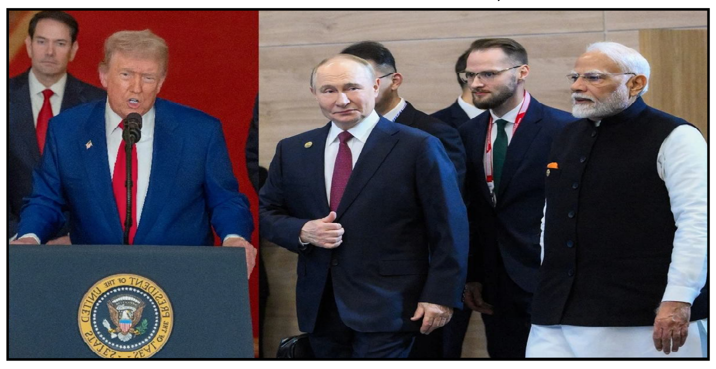

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अमेरिका की जंग ने इजरायल ईरान जंग को और भी ज्यादा भड़का दिया है। डोनाल्ड ट्रंप जानते थे कि अमेरिका की सेना जैसे ही ईरान पर हमला करेगी तो ईरान की सरकार एक बड़ा कदम उठाएगी। ईरान ने वो बड़ा कदम उठाने का ऐलान भी कर दिया है। दिलचस्प बात ये है कि अमेरिका की वजह से ईरान की सरकार जो कदम उठाने जा रही है उसका बुरा असर अमेरिका नहीं बल्कि भारत, चीन और जापान जैसे देशों पर पड़ सकता है। लेकिन भारत ने इससे पहले ही एक बड़ा खेल कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने तो अपना शातिर दिमाग लगा लिया। लेकिन ट्रंप जितना सोचते हैं, उससे 10 कदम आगे की तो भारत पहले से ही सोच कर रखता है। पीएम मोदी ने रूस के साथ पहले से ही एक ऐसी डील कर ली, जिसने पूरे खेल को पलट कर रख दिया। इजरायल संघर्ष में अमेरिकी एंट्री के बाद ईरान ने चेतावनी दी कि वह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण तेल गलियारे जलडमरू मध्य को बंद कर सकता है। ईरान की संसद में इस फैसले को मंजूरी दी गई। हालांकि, इस फैसले को अंतिम मंजूरी ईरान की सुप्रीम नैशनल सिक्योरिटी काउंसिल देगी। अमेरिका के खिलाफ ईरान की बड़ी ताकत 33 किमी चौड़ा होर्मूज समुद्री गलियारा है। दुनिया की 26: क्रूड ऑयल सप्लाई यहीं से है। ईरान यहां अमेरिकी टैकरों को निशाना बनाता है तो यह युद्धक्षेत्र बन सकता है। इससे तेल के दाम बढ़ने की आशंका रहेगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत क्रूड का दो–तिहाई और करीब आधा एलएनजी होर्मुज गलियारा के रास्ते आयात करता है।

लाल सागर में स्थिति बिगड़ रही है। इससे भारत से पश्चिमी देशों को निर्यात प्रभावित होगा। यदि शिप केप ऑफ गुड होप के रास्ते मोड़ने पड़े, तो डिलीवरी दो हफ्ते देरी से होगी। भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ेगी। भारत ने जून की शुरुआत से ही रूस से इतना तेल खरीदना शुरू कर दिया, जितना सऊदी अरब और इराक दोनों को मिलाकर खरीदता है। भारत पहले से ही जानता था कि ईरान इजरायल और अमेरिका एक दूसरे से भिड़ेंगे। ऐसे में भारत ने रूस से पहले ही तेल खरीदने की बड़ी डील कर ली थी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि कुछ वर्षों में हमने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई है। हमारी तेल कंपनियों के पास कई हफ्तों का पर्याप्त भंडार है। ईरान और इजरायल के बीच जारी जंग में अब अमेरिका भी खुलकर शामिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की तीन बड़ी परमाणु साइट्स – फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सफलतापूर्वक हवाई हमला किया है। ट्रंप के मुताबिक, लड़ाकू विमानों ने फोर्डो को प्रमुख रूप से निशाना बनाते हुए बमबारी की और अब सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं।

युवाओं के कौशल विकास और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर होगा काम : जयंत चौधरी

वाराणसी,। (एजेन्सी) राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी और सोनभद्र दौरे की शुरुआत लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत के साथ की। उन्होंने वाराणसी में अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाना है। इस दौरान बीएचयू के छात्रों भी वहां पहुंचे और उन्होंने 11 सूत्रीय समस्याओं का एक पत्रक दिया। अपने दौरे के पहले दिन जयंत चौधरी ने वाराणसी स्थित स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अवलोकन किया और केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से सीधे संवाद स्थापित किया। जयंत चौधरी ने प्रशिक्षुओं से उनकी शिक्षा, प्रशिक्षण अनुभव, और रोजगार के अवसरों को लेकर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र की सुविधाओं, मशीनों और अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित कोर्स की सराहना की और कहा यह केंद्र न केवल युवाओं को विश्वस्तरीय कौशल प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें वैश्विक रोजगार बाजार के लिए तैयार करने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे संस्थान भारत को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। जयंत चौधरी ने वाराणसी की ऐतिहासिक धरोहर मान सिंह वेधशाला (जंतर मंतर) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खगोल विज्ञान के ऐतिहासिक महत्व और भारतीय वैज्ञानिक परंपराओं को समझा। वेधशाला में पुरातत्व विशेषज्ञों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा भारतीय सभ्यता की वैज्ञानिक विरासत अद्वितीय है। मान सिंह वेधशाला जैसे स्मारकों का संरक्षण न केवल इतिहास के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को हमारी सांस्कृतिक बौद्धिकता से जोड़ने का माध्यम भी है। वाराणसी देशभर में युवाओं को रोजगारपरक बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। जयंत चौधरी ने बताया कि वो देश भर में 7 हजार करोड़ रुपये की लागत से नई स्किल डेवेलपमेंट और आईआईटी योजना शुरू की जा रही है, जिसमें उद्योग जगत की भागीदारी से नई इंडस्ट्री खड़ी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी और भारत को विश्व की औद्योगिक ताकत बनाने में मदद करेगी । जयंत चौधरी ने कहा कि बिहार से देश की सत्ता तय होती है, इसलिए वहां पार्टी यूनिट के जरिए युवाओं तक योजना पहुंचाई जाएगी। स्किलिंग और इंडस्ट्री को जोड़ने के लिए एनएसबीसी के साथ मिलकर एक ठोस फॉर्मूला बनाया गया है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के छात्रों ने सोमवार को शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी के वाराणसी आगमन पर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े प्रशासनिक, शैक्षणिक और चिकित्सा से जुड़े मुद्दों को उठाया गया। छात्रों ने बीएचयू में स्थायी कुलपति की नियुक्ति, चौधरी चरण सिंह जी के आर्थिक विचारों को पाठ्यक्रम में शामिल करने, और सर सुंदरलाल अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अराजकता पर गहरी चिंता जताईजयंत चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बीएचयू के कुछ लोगों ने मिलकर ज्ञापन सौंपा है, उन्होंने बीएचयू में सुधार की कुछ मांग की है, हम मंत्रालय की ओर से उन समस्याओं को दिखवाएंगे।

सलाहकारों की वजह से सपा हाशिये पर : संजय निषाद

आगरा,। (एजेन्सी) आगरा में में आयोजित मंडलीय मत्स्य पालक गोष्ठी में आए यूपी सरकार के मत्स्य मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद ने एक बार फिर सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि–सलाहकारों की वजह से सपा हाशिये पर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार भी निषाद पार्टी खड़ी और बड़ी हो रही है। हमारे कार्यकर्ता वहां काम कर रहे हैं। सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान सपा द्वारा तीन विधायकों को पार्टी से निष्कासित किए जाने के सवाल पर डा. संजय ने कहा कि सपा मुखिया को उनकी बात सुननी चाहिए थी। सभी फैसले पार्टी लेगी तो जनता पार्टी को ही वोट देगी, नेता को वोट नहीं देती। जब उनको निकालना ही था तो उसी समय निकाल देते। उनके साथ तो और भी बहुत लोग थे, उनके खिलाफ भी एक्शन लेना चाहिए था। उन्होंने कहा–कभी सपा मुखिया हाशिये पर जाकर फैसला लेते हैं। उनके सलाहकार भी ऐसे हैं कि जिनकी वजह से सपा हाशिये पर है। प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा बिहार में 235 सीटें ऐसी हैं, जो निषाद समाज बाहुल्य हैं। वहां निषाद पार्टी के कार्यकर्ता जोरशोर से काम कर रहे हैं। डा. संजय ने कहा–मैं चाहता हूं कि भाजपा हमें वहां हारी हुई सीटें दे दे। हम उन सीटों को जीत में बदल देंगे। जिस तरीके से हमें पिछली बार 15 हारी सीटें मिलीं थी, उसमें से भी हमने 11 सीट जीत कर दिखाई थीं। पंचायत चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा–पंचायत चुनाव बिना सिंबल का चुनाव होता है। इसे कार्यकर्ता लड़ते हैं। भाजपा के भी कार्यकर्ता लड़ते हैं और निषाद पार्टी के भी लड़ते हैं। इस चुनाव में सब अपने होते हैं। जो हारता है वह भी अपना है और जो हारता है वह भी अपना है। मगर, जीतने के बाद जब जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होता है तो वह सिंबल पर होता है। इसमें हम पहले ही साफ कर चुके हैं कि वहां निषाद पार्टी, भाजपा का समर्थन करेगी। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा निषाद समाज जब साइकिल का बटन दबा रहा था, तब साइकिल दौड़ रही थी। जब हाथी का बटन दबा रहा था, तब हाथी दौड़ रहा था। जब पंजे का बटन दबा रहे थे, तब पंजा खूब चल रहा था। जब साइकिल और हाथी साथ हो गए, तो सपा हॉफ हो गई और भाजपा और निषाद साथ हो गए।

राष्ट्र निर्माण में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अमूल्य योगदान हमेशा याद किया जाएगा : पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेन्सी) महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पीएम मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य ने श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र निर्माण में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को याद करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटि–कोटि नमन। उन्होंने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पुरोधा बताया। उन्होंने लिखा, "भारत की एकता, अखण्डता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले मां भारती के वरद पुत्र, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुरोधा श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें कोटिशरू नमन करता हूं। श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद जी जम्मू कश्मीर और पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाये रखने के लिए वैचारिक और राजनीतिक रूप से आजीवन संघर्षरत रहे। देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ को चलायमान रखने के लिए उन्होंने जनसंघ के रूप में नया विचार प्रस्तुत किया। जनसेवा और राष्ट्रोत्थान के उनके विचार एवं कार्य हम सभी देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणीय हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन को राष्ट्रभक्ति की अमिट गाथा बताते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखा, ष्मां भारती के महान सपूत, भारत की एकता और अखंडता हेतु अपना जीवन अर्पित करने वाले, भारतीय जनसंघ के संस्थापक, अद्वितीय शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी, परम श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मैं उन्हें कोटि–कोटि नमन करता हूं। डॉ. मुखर्जी का जीवन त्याग, तपस्या और राष्ट्रभक्ति की अमिट गाथा है।

प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए एक प्राइम एसेट हैं, शशि थरूर ने फिर बांधे मोदी की तारीफों के पुल

नयी दिल्ली (एजेन्सी) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ। थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर लिखे गए एक कॉलम में पीएम मोदी की ऊर्जा, सक्रियता और इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए उन्हें भारत का प्राइम एसेट करार दिया है। शशि थरूर ने अपने कॉलम में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और सहभागिता की इच्छा ने भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। वह भारत के लिए एक प्राइम एसेट हैं, लेकिन इस अभियान को और समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के लिए एक अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत करने का अवसर है और इसे पूरी दुनिया ने गंभीरता से देखा है। यह पहली बार नहीं है जब शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की हो। इससे पहले भी जब उन्होंने पीएम मोदी की विदेश नीति की सराहना की थी, तब उन्हें कांग्रेस के कुछ नेताओं की आलोचना झेलनी पड़ी थी। अब एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका और पीएम मोदी को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस के भीतर से भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, थरूर ने स्पष्ट किया कि उनका मकसद किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक छवि को सशक्त करना है। उन्होंने कहा कि देश की प्रतिष्ठा पार्टी लाइन से ऊपर है।

अमित शाह ने किए काल भैरव के दर्शन, रास्ते में लोगों ने फूल बरसाए, एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने की अगवानी

वाराणसी,। (एजेन्सी) गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम 5.40 बजे काशी पहुंचे। एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह सीएम योगी के साथ सीधे काल भैरव पहुंचे। यहां दर्शन–पूजन करने के बाद होटल ताज पहुंचे। एयरपोर्ट से होटल ताज तक पूरे रूट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। होटल ताज में शाह डिनर और रात्रि विश्राम करेंगे। अफसरों के रुकने के लिए कैंटोनमेंट स्थित होटल रमाडा में इंतजाम किए गए हैं। अमित शाह कल भी काशी में रहेंगे। कल गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में वाराणसी के होटल ताज में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक होगी। गृहमंत्री समेत 4 राज्यों के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी इस बैठक में शामिल होंगे।

ईरान के समर्थन में खुलकर आया रूस, पुतिन बोले- तेहरान को देंगे हरसंभव मदद

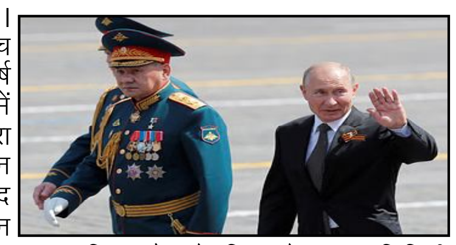

मास्को (एजेन्सी)। इस्राइल और ईरान के बीच 10 दिनों से चल रहे संघर्ष के चलते आज दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। वहीं ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच सोमवार रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है। पेसकोव ने कहा कि हमने ईरान को मध्यस्थता की पेशकश की है। यह हमारी तरफ से एक ठोस मदद है। ईरान को जो भी जरूरत होगी, हम उसके अनुसार मदद करने को तैयार हैं। रूस ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी अपना पक्ष साफ किया है। पेसकोव ने कहा कि रूस का यह रुख भी ईरान के लिए समर्थन का एक अहम तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखा है। यह भी ईरान के प्रति हमारे समर्थन का संकेत है।

सम्पादकीय

योग सिंधु में संघ की जलधारा

भारत की सनातन संस्कृति की तरह योग भी सनातन है, अविरल है। यह तो संभव है कि आकाश के तारे गिन लिए जाएं या धरती के कणों की सही–सही संख्या का पता लगा लिया जाए परन्तु योग के सिंधु कितनी जलधाराएं मिलीं, कितने नद समाहित हुए इसका अनुमान लगाना भी असंभव है। इन्हीं अनन्त जलराशियों में शामिल है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसका उद्देश्य व्यक्ति उत्थान से राष्ट्रोत्थान रहा है और संघ ने योग को अपने इस काम का साधन बनाया है। सृष्टि के प्रारम्भ से ही भगवान शिव को 'योगेश्वर' माना गया है। अनेक योग परंपराएँ जैसे नाथयोग, हठयोग, मंत्रयोग, लययोग, राजयोग, आदि सभी भगवान शिव से ही प्रारंभ मानी जाती हैं। गुरु गोरखनाथजी के सम्प्रदाय में शिव को 'आदिनाथके रूप में पूजा जाता है और ध्यान मुद्रा में उनकी उपासना की जाती है। नाथ संप्रदाय में योग को शिवविद्या या महायोगविद्या कहा गया है, जिसमें आत्मा और ब्रह्मांड के सामरस्य की अनुभूति प्रमुख है। शिवगीता में भगवान शिवजी ने भगवान राम को योग का दिव्य उपदेश दिया, जब वे सीता–वियोग से व्याकुल थे। उन्होंने आत्मज्ञान, चित्त की एकाग्रता, और भौतिक आसक्ति से विरक्ति का विस्तार से निरूपण किया। भगवान शिव को ध्यानमग्न योगी के रूप में भी दर्शाया गया है, जिनका ध्यान जीवन के परम लक्ष्य 'मोक्षकी ओर उन्मुख करता है। वेदों में वर्णित शिवसंकल्पसूक्त योग के लिए वैदिक प्रेरणा का आधार है, जो भगवान शिव की चेतना और व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है। रामायणकाल में महर्षि वसिष्ठ ने भगवान श्रीराम को गहन अद्वैत वेदान्त के सिद्धांतों के माध्यम से योग का मार्ग बताया है। राम को उपदेश करते हुए महर्षि वसिष्ठ कहते हैं – द्वौ क्रमौ चित्तनाशस्य योगो ज्ञानं च राघव। महर्षि वसिष्ठ योग के अत्यंत प्राचीन और समग्र द्रष्टा माने जाते हैं। वे सप्तर्षि–मंडल में स्थित रहकर आज भी विश्वकल्याण में लगे हुए हैं। महाभारत में योग को आत्मसाधना और अंतःकरण की शुद्धि का मार्ग माना गया है। महर्षि वेद व्यासजी ने ध्यानयोग के लिए द्वादश साधनों (देश, कर्म, आहार, दृष्टि, मन आदि) के संयम को अनिवार्य बताया है। इसके शान्ति पर्व में ऋषियों को योग की 12 विधियों से ध्यानयोग का अभ्यास करते बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण को भी 'योगेश्वर' कहा गया है क्योंकि वे न केवल योग के आचार्य हैं बल्कि स्वयं योग के मूर्तिमान स्वरूप भी हैं। भगवद्गीता को स्वयं भगवान की साक्षात योगयुक्त वाणी कहा गया है, जो आज भी अज्ञान और मोह का नाश कर आत्मबोध करा सकती है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को विभिन्न योगों का उपदेश दिया – कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्ति योग, और ध्यानयोग। 'समत्वं योग उच्यते' और 'योगस्थ कर्मसु कौशलम' जैसे श्लोक योग को जीवन की कुशलता और समत्व की दशा से जोड़ते हैं। इसी तरह महर्षि पतंजलि, महर्षि चरक, आदिगुरु शंकराचार्य जी से लेकर आधुनिक काल के योग गुरुओं, शिक्षकों व साधकों सहित अनेक ज्ञात–अज्ञात जलनद योग के सिंधु को अपने ज्ञान से समृद्ध करते रहे हैं। इन्हीं जलधाराओं में एक सम्मानित नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जो अपने जन्म से ही भारतीय संस्कृति व अपने सांस्कृतिक मानबिन्दुओं की पुनर्स्थापना के काम में लगा है। संघ की स्थापना 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा की गई थी, जिनका उद्देश्य था राष्ट्रभक्त, शारीरिक और मानसिक विकास और आत्मानुशासन के माध्यम से भारत के युवाओं को संगठित करना। योग को संघ के आध्यात्मिक और शारीरिक प्रशिक्षण के अनिवार्य भाग के रूप में अपनाया गया। संघ की शाखाओं में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान और आसनों का नियमित अभ्यास कराया जाता है। योग और संघ का संबंध केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनियंत्रण, सामाजिक सेवा, समरसता और आध्यात्मिक जागरण से भी जुड़ा है। संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार स्वयं योग साधक थे और उन्होंने शाखा पद्धति में योग को अनिवार्य रूप से जोड़ा। संघ के दूसरे सरसंघचालक श्रीगुरुजी ने भी योग को आंतरिक तप और अनुशासन के अंग के रूप में देखा। उनका कहना था, 'यदि स्वास्थ्य–रक्षा तथा रोग–प्रतिकार करने के लिए योगासनों के अभ्यास की ओर लोगों ने ध्यान दिया तो सर्वसाधारण जनता के स्वास्थ्य में सुधार हो कर उनका औषधियों पर होने वाला व्यय कम होगा तथा सब दृष्टि से उनका कल्याण होगा।

न्यायपालिका की साख का सवाल

भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि संविधान केवल शासन के लिए राजनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह क्रांतिकारी वक्तव्य है, जो गरीबी, असमानता और सामाजिक विभाजन से पीड़ित, औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों से बाहर आ रहे देश को आशा की किरण दिखाता है। इटली के मिलान कोर्ट ऑफ अपील में बोलते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि भारतीय संविधान के निर्माता इसके प्रारूपों का मसौदा तैयार करते समय सामाजिक–आर्थिक न्याय की अनिवार्यता के प्रति गहराई से सचेत थे। जस्टिस गवई सोलह आने सच बात कह रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने तो हर तरह की गैरबराबरी दूर करने और सबके लिए एक समान न्याय की जरूरत का सिद्धांत संविधान बनाते वक्त सामने रखा। लेकिन क्या मौजूदा वक्त में जिन लोगों पर संविधान का पालन करने और न्याय देने की जिम्मेदारी है, वे इस सिद्धांत पर कायम हैं, या विचलित हो चुके हैं, इसकी पड़ताल करनी होगी। बीते महीनों में दो ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जब जज की आसंदी पर बैठे लोगों की निष्ठा व इरादों पर सवालिया निशान लगे हैं। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर विवाद खड़ा हो गया था। बताया जाता है कि जस्टिस शेखर यादव ने कहा था कि देश को बहुसंख्यकों के हिसाब से चलना चाहिए। इस तरह के बयान को नफरती भाषण मानते हुए वरिष्ठ वकील और सांसद कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 55 सांसदों ने 13 दिसंबर को ही उनके खिलाफ राज्यसभा स्पीकर यानी उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव सौंप दिया था। हालांकि जस्टिस यादव ने कहा था कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है। दूसरा मामला मार्च का है, जब 14 मार्च 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर आग लगने की घटना हुई थी। आग बुझाने के लिए पहुंची दमकल विभाग की टीम और पुलिस ने मौके पर आधे जले हुए 500 रुपये के नोट और बड़ी मात्रा में नकदी देखी गई। इस मामले में बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे तो जस्टिस यशवंत वर्मा ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया। दोनों ही मामलों से न्यायपालिका पर आम आदमी का भरोसा हिल गया। क्योंकि एक तरफ अल्पसंख्यकों के लिए भेदभावपूर्ण रवैया और हिंदुत्ववादी ताकतों की तरफ झुकाव दिखा और दूसरी तरफ ईमानदारी और इंसाफ करने वाले के बेईमान रवैये की बू आई। अब जस्टिस वर्मा मामले में महाभियोग चलाने की तैयारी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले पर तीन जजों की आंतरिक जांच समिति बनाई थी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के जस्टिस शील नागु, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन की इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि 14 मार्च को दिल्ली में उनके सरकारी आवास में आग लगने के दौरान वहां नकदी मिलने का मतलब है कि उन पर इसकी जिम्मेदारी है। अब सरकार ने संसद के आगामी मानसून सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में जांच पैनल ने 55 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें से कम से कम 10 गवाहों ने पुष्टि की कि उन्होंने जस्टिस वर्मा के आवास पर आधे जले हुए या पूरी तरह जले हुए नोट देखे थे। पैनल ने कहा कि आधे जले हुए नोटों की मौजूदगी और उनका आवास पर पाया जाना गंभीर सवाल उठाता है। यह नकदी के आने और उसके इस्तेमाल पर संदेह पैदा करता है। रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस वर्मा ने न तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और न ही अपने वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी। पैनल ने इसे ष्अनुचित आचरण और ष्न्यायिक कर्तव्यों के प्रति लापरवाहीष माना है और महाभियोग की सिफारिश की है।

ट्रंप और मुनीर को एक दूसरे से क्या चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति कहे जाने वाले अमेरिका की कूटनीति ने सदैव जैसे को तैसा नहीं, बल्कि जैसे से फायदा हो, वैसे को गले लगा लो की नीति अपनाई है। चाहे वह सऊदी अरब के राजाओं को हथियार बेचना हो, या पाकिस्तानी सैन्य तानाशाहों को मित्र बताना हो, सब कुछ स्वार्थ–सिद्धि के लिए किया गया। जहां तक पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका में किये गये स्वागत की बात है तो यह इस ओर स्पष्ट इशारा है कि वॉशिंगटन अब फिर से रावलपिंडी की ओर झुकाव दिखा रहा है, खासकर ईरान और अफगानिस्तान जैसे जटिल मामलों में, जहां पाकिस्तान की भौगोलिक और सामरिक स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद हो सकती है। ट्रंप और मुनीर की मुलाकात से यह भी स्पष्ट है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और वैश्विक शांति जैसे शब्द सिर्फ सजावट के लिए हैं, असल खेल रणनीतिक हित, निजी फायदे और चुनावी लाभ का है। देखा जाये तो यह संपूर्ण घटनाक्रम भारत के लिए सिर्फ राजनयिक चिंता नहीं, बल्कि रणनीतिक चेतावनी भी है। ट्रंप जैसे लेन–देन वाले राजनेता के साथ पाकिस्तान की बढ़ती निकटता और अमेरिका की नई प्राथमिकताएं इस बात की जरूरत पर बल दे रही हैं कि भारत को अपनी विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति को नए सिरे से आंकना चाहिए। ट्रंप और मुनीर की मुलाकात के बारे में दोनों पक्षों की ओर से जो बयान जारी हुआ है और इस संबंध में जो मीडिया रिपोर्टें आईं हैं उन सभी का विश्लेषण करने के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि यह भेंट सिर्फ एक प्रतीकात्मक नहीं थी बल्कि यह लेन–देन और कूटनीतिक सौदेबाजी का केंद्रबिंदु थी। सवाल यह है कि कौन, किससे, क्या चाहता है? इस्लामिक स्टेट खुरासान के खिलाफ सहयोग– अमेरिकी सेंटकॉम प्रमुख की हालिया गवाही से संकेत मिला है कि अमेरिका और पाकिस्तान आतंकवाद के मुद्दे पर गहराई से सहयोग कर रहे हैं। ट्रंप का मकसद हो सकता है कि वह मुनीर से पर खुफिया और सैन्य सहयोग चाहते हों, खासकर अफगानिस्तान और ईरान सीमा क्षेत्रों में। ईरान के खिलाफ सैन्य रणनीति– ईरान–इजराइल तनाव और अमेरिका–ईरान टकराव की संभावना को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका पाकिस्तान से बलूचिस्तान में

ईरान के खिलाफ सैन्य रणनीति– ईरान–इजराइल तनाव और अमेरिका–ईरान टकराव की संभावना को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका पाकिस्तान से बलूचिस्तान में लॉजिस्टिक बेस की अनुमति मांग रहा है। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले के दौरान माँगा गया हो। अमेरिका, पाकिस्तान से ईरानी क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की मांग कर सकता है। यहाँ तक कि ईरान में शासन परिवर्तन हेतु खुफिया सहयोग भी एजेंडे में हो सकता है। चीन से पाकिस्तान को दूर करना– एक दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीति यह हो सकती है कि पाकिस्तान को चीन के प्रभाव से दूर खींचा जाए। चूंकि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और रक्षा सहयोग चीन को हिंद महासागर तक पहुँचाने में मदद करता है, इसलिए अमेरिका चाहता होगा कि पाकिस्तानी सेना की निष्ठा दोबारा वॉशिंगटन की ओर झुके।

लॉजिस्टिक बेस की अनुमति मांग रहा है। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले के दौरान माँगा गया हो। अमेरिका, पाकिस्तान से ईरानी क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की मांग कर सकता है। यहाँ तक कि ईरान में शासन परिवर्तन हेतु खुफिया सहयोग भी एजेंडे में हो सकता है। चीन से पाकिस्तान को दूर करना– एक दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीति यह हो सकती है कि पाकिस्तान को चीन के प्रभाव से दूर खींचा जाए। चूंकि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (ब्च्म्ब्) और रक्षा सहयोग चीन को हिंद महासागर तक पहुँचाने में मदद करता है, इसलिए अमेरिका चाहता होगा कि पाकिस्तानी सेना की निष्ठा दोबारा वॉशिंगटन की ओर झुके। अब दूसरा सवाल यह है कि मुनीर को ट्रंप से क्या चाहिए? इसके भी तीन जवाब हो सकते हैं। आर्थिक राहत और निवेश– पाकिस्तान की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए, मुनीर ट्रंप से सीधा अमेरिकी निवेश, व्यापारिक सौदे और वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैंकृ विशेषकर ट्रंप परिवार से जुड़े क्रिप्टो और इंफ्रास्ट्रक्चर डील्स के माध्यम से। कश्मीर पर अमेरिकी मध्यस्थता– यह सबसे विवादास्पद और संवेदनशील मांग हो सकती है। मुनीर चाह सकते हैं कि ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश करें। भारत को वार्ता की मेज पर लाने के लिए दबाव डाला जाए, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद के संघर्षविराम को "मेड इन के रूप में पेश किया जाए। ाारत पर दबाव सिंधु जल संधि और आतंकवाद का आरोप– अमेरिका से आग्रह किया जा सकता है कि वह भारत पर सिंधु जल संधि के पालन के लिए दबाव डाले। इसके अलावा, भारत पर आरोप लगाया जा सकता है कि वह बलूच विद्रोहियों और टीटीपी का समर्थन कर रहा है और पाकिस्तान चाहेगा कि अमेरिका इस पर भारत को कठघरे में खड़ा करे। एक सवाल यह भी उठता है कि क्या मुनीर से मुलाकात ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीति का हिस्सा है? इसके भी तीन जवाब हो सकते हैं यह मुलाकात आने वाले अमेरिकी चुनावों को ध्यान में रखकर भी की जा सकती है ट्रंप खुद को वैश्विक शांति–स्थापक की छवि में पेश कर सकते हैं, खासकर अगर उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए कोई प्रचार मिले। पाकिस्तानी–अमेरिकी समुदाय को साधने और मुस्लिम दुनिया में एक ष्सुलहकर्ताष नेता के रूप में खुद को पेश करने का अवसर भी ट्रंप को मिल सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप से नजदीकी बनाने के लिए मुनीर काफी समय से लालायित थे और इसका मौका उन्हें इसी साल अप्रैल में मिल भी गया था। दरअसल, अप्रैल में एक अमेरिकी क्रिप्टो फर्म श्वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (ॅस्थ्)श ने पाकिस्तान की क्रिप्टो काउंसिल के साथ समझौता किया। यह फर्म ट्रंप परिवार से जुड़ी है और ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड जूनियर तथा दामाद जेरेड कुशनर के पास इस कंपनी में 60: हिस्सेदारी है। के प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा के दौरान मुनीर ने उनका व्यक्तिगत रूप से स्वागत किया था और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बैठक भी की। इसी कंपनी ने व्हाइट हाउस के गुप्त निमंत्रण का रास्ता तैयार किया, जिसे इमरान खान के समर्थकों के विरोध से बचने के लिए गोपनीय रखा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने अमेरिकी कंपनियों को (कागज पर ही सही) दुर्लभ खनिज खनन के अधिकार, टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट्स और कई अन्य ष्लाभकारीष योजनाएं पेश की हैं जिनमें ट्रंप से जुड़े लोग निवेशक होंगे। बहरहाल, इस मुलाकात के बारे में जारी किये गये बयान में पाकिस्तान सेना ने यह भी कहा है कि मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप को पाकिस्तान आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है, जिसे ट्रंप ने ष्सकारात्मक रूप सेष स्वीकार किया है। देखा जाये तो ट्रंप–मुनीर मुलाकात पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक जीत और भारत के लिए राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण से सतर्कता की घंटी है, खासकर ईरान से जुड़ी किसी भविष्य की सैन्य कार्रवाई में अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आधारों के उपयोग की संभावना को देखते हुए। यहां एक बात और काबिलेगौर है कि अमेरिका भले ही खुद को लोकतंत्र, मानवाधिकार और उदार मूल्यों का पुरोधा कहे, लेकिन इतिहास गवाह है कि जब अपने हितों की बात आती है, तो वह ष्तानाशाह हमारा हो, तो सब माफ हैष के सिद्धांत पर ही चलता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देखें तो मुनीर का व्हाइट हाउस में भव्य स्वागत और डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मुनीर की बेशुमार प्रशंसा कोई आश्चर्य की बात नहीं है। ईरान के खिलाफ सैन्य रणनीति– ईरान–इजराइल तनाव और अमेरिका–ईरान टकराव की संभावना को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका पाकिस्तान से बलूचिस्तान में लॉजिस्टिक बेस की अनुमति मांग रहा है।

पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले के दौरान माँगा गया हो। अमेरिका, पाकिस्तान से ईरानी क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की मांग कर सकता है। यहाँ तक कि ईरान में शासन परिवर्तन हेतु खुफिया सहयोग भी एजेंडे में हो सकता है। चीन से पाकिस्तान को दूर करना– एक दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीति यह हो सकती है कि पाकिस्तान को चीन के प्रभाव से दूर खींचा जाए। चूंकि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और रक्षा सहयोग चीन को हिंद महासागर तक पहुँचाने में मदद करता है,

इसलिए अमेरिका चाहता होगा कि पाकिस्तानी सेना की निष्ठा दोबारा वॉशिंगटन की ओर झुके। अब दूसरा सवाल यह है कि मुनीर को ट्रंप से क्या चाहिए? इसके भी तीन जवाब हो सकते हैं। आर्थिक राहत और निवेश– पाकिस्तान की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए, मुनीर ट्रंप से सीधा अमेरिकी निवेश, व्यापारिक सौदे और वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैंकृ विशेषकर ट्रंप परिवार से जुड़े क्रिप्टो और इंफ्रास्ट्रक्चर डील्स के माध्यम से। कश्मीर पर अमेरिकी मध्यस्थता– यह सबसे विवादास्पद और संवेदनशील मांग हो सकती है।

मुनीर का अमेरिकी दौरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना

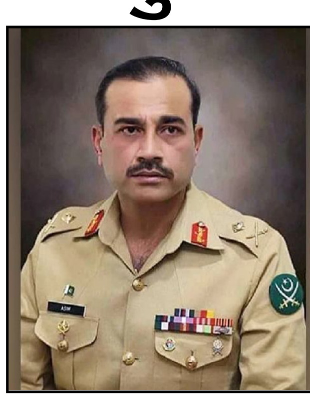

मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन–पाक–बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके। मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत–पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए मारका–ए–हक और ष्ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूसष जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया।

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान का फील्ड मार्शल बनने के बाद कट्टरपंथी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि इससे पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश के सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच पर नहीं बुलाया था। वह भी ऐसे देश के सेनाध्यक्ष को जिसके तार अमेरिका और भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में हुए तमाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान के करीब आने के अमेरिका के कारण जो भी हों मगर यह तो साफ दिख ही रहा है कि दोनों देशों के संबंध इस समय वैश्विक सुर्खियों में हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि अमेरिका के बदले हुए मन से उपजे अवसरों का पूरा लाभ लेने के लिए पाकिस्तान की सरकार और सेना इस समय काफी सक्रिय नजर आ रही है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ को दिन–रात अरबों डॉलर के सपने ही दिख रहे हैं इसलिए वह अमेरिका की जी–हुजूरी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की वैश्विक छवि को नया आकार देने और वॉशिंगटन के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका की अपनी एक सप्ताह लंबी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई महत्वपूर्ण अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। मुनीर ने अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञों, थिंक टैंकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ष्प्ैच्त्ष् के अनुसार, यह दौरा एक ष्सुनियोजित कूटनीतिक प्रयासष था, जिसमें जनरल मुनीर ने वैश्विक और क्षेत्रीय हालात पर पाकिस्तान के ष्सिद्धांत आधारित दृष्टिकोणष को साझा किया। मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन–पाक–बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके। मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत–पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए ष्मारका–ए–हकष और ष्ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूसष जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया। पाकिस्तान की इमेज का मेकओवर करने के प्रयास में उन्होंने अपने देश की भूमिका को ष्आतंक के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अग्रणी राष्ट्रष बताया और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सैनिकों व नागरिकों की कुर्बानियों को याद किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बिना भारत का नाम लिए, उन्होंने ष्कुछ क्षेत्रीय शक्तियों द्वारा आतंकवाद को हाइब्रिड युद्ध के औजार के रूप में इस्तेमाल करनेष के खिलाफ चेतावनी दी। हम आपको बता दें कि यह एक ऐसा बयान है जिसके जरिये पाकिस्तान अक्सर कूटनीतिक भाषा में भारत की ओर इशारा करता है। इसके अलावा, आर्थिक अवसरों पर जोर देते हुए मुनीर ने पाकिस्तान की आईटी, कृषि और खनिज संपदा में मौजूद निवेश के अवसरों को उजागर करते हुए इन्हें ष्संयुक्त समृद्धि के इंजनष बताया और वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित किया। मुनीर ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा–आधारित पारंपरिक रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी में बदलने की वकालत भी की, जिसमें आपसी सम्मान और हितों की संगति हो। साथ ही, आतंकवाद विरोधी सहयोग और आर्थिक विकास के पुराने रिश्तों को विस्तार देने की बात की। मुनीर के अमेरिका दौरे के राजनयिक संदेश और भू–राजनीतिक संकेत की बात करें तो आपको बता दें कि इस दौरे को ऐसे समय पर देखा जा रहा है जब पाकिस्तान बड़ी वैश्विक शक्तियों के साथ अपने संबंधों को पुनर्स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। भारत के अमेरिका के साथ बढ़ते सामरिक संबंध, अफगानिस्तान की अस्थिरता और आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि में, इस दौरे को पाकिस्तान की ओर से ष्विश्वसनीय और जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्तिष के रूप में अपनी स्थिति पुनः स्थापित करने का प्रयास माना जा रहा है। ष्प्ैच्त्ष् के अनुसार, अमेरिका में विभिन्न थिंक टैंकों और विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की खुली बातचीत और क्षेत्रीय स्थिरता में उसकी भूमिका की सराहना की। पाकिस्तान का कहना है कि मुनीर का यह दौरा आपसी विश्वास बहाली की दिशा में एक कदम माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका की प्राथमिकताएं इंडो–पैसिफिक क्षेत्र की ओर केंद्रित हो रही हैं। हम आपको यह भी बता दें कि एक ओर जहां मुनीर अमेरिका में मौजूद रह कर अपने देश के कूटनीतिक मिशन को आगे बढ़ा रहे थे वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी विदेश मंत्री से बातचीत कर अपनी सरकार का पक्ष रखा। सरकारी पाकिस्तान टीवी द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, शहबाज शरीफ ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। बयान में कहा गया है कि गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राष्ट्रपति की उनके साहसिक नेतृत्व के लिए प्रशंसा की और विदेश मंत्री रुबियो की सक्रिय कूटनीति की सराहना की, जिसने ''पाकिस्तान और भारत को संघर्षविराम समझौते पर पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के बारे में राष्ट्रपति ट्रंप के सकारात्मक बयान दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए सबसे उत्साहजनक हैं, जिसे पाकिस्तान और भारत के बीच सार्थक बातचीत शुरू करके ही संभव बनाया जा सकता है। सरकारी पाकिस्तान टीवी ने कहा, ''इस संदर्भ में शहबाज शरीफ ने जम्मू–कश्मीर, सिंधु जल संधि, व्यापार और आतंकवाद से निपटने सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत करने की पाकिस्तान की इच्छा दोहराई।'' बहरहाल, हम आपको बता दें कि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा। मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन–पाक–बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके। मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत–पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए ष्मारका–ए–हकष और ष्ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूसष जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया। पाकिस्तान की इमेज का मेकओवर करने के प्रयास में उन्होंने अपने देश की भूमिका को ष्आतंक के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अग्रणी राष्ट्रष बताया और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सैनिकों व नागरिकों की कुर्बानियों को याद किया।

इस युद्ध के बाद मध्य-पूर्व का इतिहास बदल सकता है

ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचों पर हमलों को मध्य–पूर्व के इतिहास की एक गेमचेंजर घटना कहना चाहिए। ये जिन घटनाक्रमों को गतिशील करेंगे, उनके दो नतीजे निकल सकते हैं। एक तो यह कि ईरान की हुकूमत गिर जाएगी और उसके स्थान पर एक अधिक धर्मनिरपेक्ष और सर्वसम्मत शासन की स्थापना की जा सकती है। दूसरा यह कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकता है और अमेरिका को भी इसमें उलझा सकता है। एक मध्य–मार्ग और है रू आपसी बातचीत से समाधान, अलबत्ता वह टिकाऊ नहीं होने वाला। इस युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार इजराइल ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने तक लड़ाई जारी रखने की कसम खाई है। और इसके लिए ईरान ही दोषी है। उसने अपने यूरेनियम संवर्धन को बहुत तेजी से बढ़ाया है। उसने अपने इन प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इजराइल द्वारा नतांज जैसी परमाणु संवर्धन फेसिलिटीज पर बमबारी ने यूरेनियम संवर्धन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सेंट्रीफ्यूज को पर्याप्त नुकसान पहुंचा दिया है, जिससे वे कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गए हैं? इससे और कुछ नहीं तो ईरान का काम जरूर धीमा हो जाएगा और यह इजराइल की कोई मामूली उपलब्धि नहीं होगी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि फोर्दो स्थित न्यूक्लियर फेसिलिटी को नुकसान पहुंचाया गया है या नहीं। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान–सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव–क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है। एक दृष्टिकोण यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। इसके लिए उसे होर्मुज स्ट्रेट में कुछ तेल या गैस टैंकरों को डुबोना भर होगा और निर्यात प्रभावी रूप से अवरुद्ध हो जाएगा। वास्तव में इसकी संभावना ही तेल की कीमतों को बढ़ाने के लिए काफी है। आप इजराइल की खुफिया क्षमताओं पर भी ताज्जुब कर सकते हैं, क्योंकि उसने ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकारियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराया है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। हालत यह है कि हर बार जब ईरान के सैन्य और राजनीतिक नेता इजराइल के खिलाफ ऑपरेशन की योजना बनाने के लिए इकट्ठा होते हैं, तो उनमें से प्रत्येक को खुद से पूछना पड़ता है कि कहीं उनके बगल में बैठा व्यक्ति इजराइल का एजेंट तो नहीं? ईरान के सर्वोच्च नेता ने अपने प्रमुख जनरलों को अपनी आंखों के सामने मरते देखा है और उन्हें निश्चित रूप से पता है कि इजराइल उन्हें भी कभी भी खत्म कर सकता है। गाजा के विपरीत इजराइल ने ईरानी नागरिकों पर हमला करने से बचने के लिए हरसंभव प्रयास किया है, क्योंकि अंततः इजराइल चाहता है कि वे खुद अपनी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन करें। क्योंकि उसने उनकी बेहतरी के बजाय परमाणु हथियार बनाने में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। ईरान के लोग भले ही नेतन्याहू की अपील से प्रेरित न हों, लेकिन यह तय है कि ईरान की हुकूमत अवाम में लोकप्रिय नहीं है। लेकिन अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा।

डंडे से गला दबाकर की गई थी युवक की हत्या

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई हत्या की पुष्टि, जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रही थी पुलिस

बाराबंकी (संवाददाता)। घुंघटेर क्षेत्र के बजगहनी गांव में बीती रात खेत की रखवाली के दौरान मड़ैया में सो रहे युवक की हत्या किसी डंडे से गला दबाकर की गई थी। शुरुआत में पुलिस जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रही थी मगर देर रात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हो गई। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की स्वाट व सर्विलांस टीम भी जांच में लगा दी गई है।बजगहनी गांव निवासी सफाईकर्मी माता प्रसाद 15 साल पहले लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के भटपुरवा गांव निवासी अरविंद (40) को अपने घर लाए थे। अरविंद अविवाहित था और उसके माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी।शुक्रवार रात माता प्रसाद के खेत में बनी मड़ैया में सोने गए अरविंद की हत्या कर दी गई। शनिवार देर रात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस हरकत में आ गई। माता प्रसाद से दूसरी तहरीर ली गई जिसमें अज्ञात पर हत्या का आरोप लगाया गया।रविवार सुबह पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। नजदीकियों पर पुलिस को शक है। पुलिस ने हर एंगल से जांच की लेकिन केवल एक ही एंगल आशनाई नजर आया।साक्ष्य जुटा रही पुलिस खेत की रखवाली कर रहे युवक की हत्या गला दबाकर की गई है। पुलिस तेजी से मामले की छानबीन में लगी है। मैनुअल इंटेलीजेंस के अलावा अन्य संसाधनों से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही खुलासा होगा। शुरुआत में पुलिस जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रही थी मगर देर रात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हो गई। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की स्वाट व सर्विलांस टीम भी जांच में लगा दी गई है।

बजगहनी गांव निवासी सफाईकर्मी माता प्रसाद 15 साल पहले लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के भटपुरवा गांव निवासी अरविंद (40) को अपने घर लाए थे। अरविंद अविवाहित था और उसके माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी।शुक्रवार रात माता प्रसाद के खेत में बनी मड़ैया में सोने गए अरविंद की हत्या कर दी गई। शनिवार देर रात पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस हरकत में आ गई।

टिकरा ने बरौली मलिक को 47 रनों से हराया

बाराबंकी (संवाददाता)। क्षेत्र के बरौली मलिक में दो दिवसीय बीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच सोमवार को एमएससी टिकरा–उस्मा व सुल्तान टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टिकरा–उस्मा की एमएससी टीम ने मात्र छह ओवरों में 96 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। मलिंगा ने सात छक्के लगाए। जवाब में बरौली मलिक की सुल्तान टीम छह ओवों में मात्र 48 रन ही बना पाई। एकतरफा मुकाबले में 47 रन के बड़े स्कोर से टिकरा–उस्मा की टीम ने फाइनल मैच जीत लिया। विजेता टीम को ग्राम प्रधान जितेंद्र कुमार ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कमेंट्री मास्टर सलमान व संजय ने की। इस अवसर पर अनस, फैजान, रमाशंकर चौरसिया व अखिलेश रावत आदि मौजूद रहे।

दो मजरों के 30 घरों तक नहीं पहुंची बिजली

बाराबंकी (संवाददाता)। गांव–गांव बिजली ही नहीं, मुफ्त कनेक्शन भी खूब दिए गए मगर इन हालात में भी सराय पांडेय ग्राम पंचायत के दो मजरों में अभी तक विद्युतीकरण नहीं हो सका है।

30 घरों के लिए बिजली किसी सपने से कम नहीं है।हैदरगढ़ ब्लॉक की सराय पांडेय ग्राम पंचायत के सभी मजरों में वर्ष 2015–16 में प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत हर घर बिजली पहुंचाने का काम शुरू हुआ था। वर्ष 2019–20 में कोरोना संक्रमण कॉल में निर्माण एजेंसी आधा–अधूरा काम छोड़कर चली गई। ऐसे में गुलजार पुरवा व सराय पांडेय गांव के 30 घरों के लोग बिना बिजली के जीवन काट रहे हैं।ग्रामीण रंजीत, अमरेंद्र, महेश, नीरज, अमरेश, रामदुलारे, शंभू, गनेश, राजेंद्र व जितेंद्र सोनी ने बताया अब केरोसीन भी नहीं मिलता है। रात में टार्च की रोशनी में काम निपटाना पड़ता है।

बिजली विभाग की अधीक्षण अभियंता राजबाला का कहना है कि वह जांच कराएंगी कि आखिर दो मजरे विद्युतीकरण से कैसे वंचित रह गए। 30 घरों के लिए बिजली किसी सपने से कम नहीं है।हैदरगढ़ ब्लॉक की सराय पांडेय ग्राम पंचायत के सभी मजरों में वर्ष 2015–16 में प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत हर घर बिजली पहुंचाने का काम शुरू हुआ था।

तेज धूप व उमस ने रुलाया

बाराबंकी (संवाददाता)। जिले में रविवार सुबह हुई हल्की बारिश के बाद दोपहर में निकली तेज धूप और उमस ने लोगों को रुला दिया। तापमान में दो डिग्री की गिरावट होने के बाद भी उमस व गर्मी से राहत नहीं मिली। इससे इंसान ही नहीं, पशु–पक्षी भी बेहाल हैं। सुबह घने काले बादल छाए रहे। इससे लगा कि अब झमाझम बारिश होगी पर ऐसा नहीं हुआ। कुछ देर तक हल्की बारिश हुई। दोपहर होते–होते धूप निकल आई। बारिश के बाद निकली चटख धूप और उमस इतनी ज्यादा रही कि लोग बेहाल हो गए। गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता 90 प्रतिशत रही व 11 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली।

स्ट्रेचर पर किया बुजुर्गों का इलाज

बाराबंकी (संवाददाता)। रफी अहमद किदवई जिला अस्पताल की इमरजेंसी के हालात सुधर नहीं रहे हैं। कुछ दिन पहले उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने निरीक्षण किया था, उनके निर्देश के बावजूद समस्याएं कम नहीं हुईं। अव्यवस्थाएं किस कदर हावी हैं, इसका अंदाजा शनिवार की रात एक बजे इमरजेंसी कक्ष के हालात से लगाया जा सकता है। बुजुर्गों को स्ट्रेचर पर भर्ती कर इलाज किया गया। देवा क्षेत्र के भिटौली निवासी 66 वर्षीय नौमीलाल सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हाथ–पांव की हड्डी टूटी थी। देवा सीएचसी से रेफर कर दिए जाने पर शनिवार शाम पांच बजे इमरजेंसी लाए गए लेकिन रात एक बजे तक स्ट्रेचर पर ही पड़े रहे। बेड नहीं मिला। नौमीलाल ने बताया कि लोहे के स्ट्रेचर पर लेटे–लेटे पीठ अकड़ गई है पर मजबूरी है।

टायर फटने से कंटेनर व बस की टक्कर, आठ यात्री हुए जख्मी

सीतापुर (संवाददाता) खैराबाद (सीतापुर)। क्षेत्र में रविवार को नेशनल हाईवे पर बिनौरा पुल के पास कंटेनर और बस की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि कंटेनर का टायर फटने से यह हादसा हुआ है। हादसे में बस सवार आठ यात्री घायल हो गए।स्थानीय लोगों के अनुसार पुल के पास ही कंटेनर का टायर अचानक फट गया। इसके बाद वह अनियंत्रित होकर परिवहन निगम की बस से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतर गई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बस सवार लहरपुर के मिरदही टोला निवासी आकाश राज (20), राजवीर, लालू (20), विकास (17), सरोज, पिसावां के पलहरिया निवासी राजशे (24) और लखीमपुर निवासी शिवम (30) सहित कुल आठ लोग जख्मी हो गए। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां आकाश और राजवीर की हालत गंभीर बताई जा रही है। एआरएम राकेश कुमार ने बताया कि बस सीतापुर मुख्यालय से लखनऊ जा रही थी। इसमें 31 सवारियां मौजूद थीं।

थानाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि कंटनेर चालक मौके से भाग गया है। दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस टीम की मदद से मौके पर लगे जाम को हटवा दिया गया है। हादसे में बस सवार आठ यात्री घायल हो गए।स्थानीय लोगों के अनुसार पुल के पास ही कंटेनर का टायर अचानक फट गया। इसके बाद वह अनियंत्रित होकर परिवहन निगम की बस से जा टकराया।

मेले में बुखार से पीड़ित दो हजार मरीज पहुंचे

सीतापुर (संवाददाता)। पाल्हापुर पीएचसी में रविवार को डॉ. अभिषेक सिंह ने 35 मरीजों का इलाज किया। वार्ड बॉय रितेश सोनी व एलटी प्रांशू मिश्रा भी मौजूद रहे। अधिकतर मरीज खांसी–बुखार व उल्टी–दस्त से पीड़ित थे। चिकित्सक ने बताया 10 मरीजों की मलेरिया की जांच की गई, कोई भी पॉजिटिव नहीं निकला। मरीज स्नेहा सिंह बुखार व सर्वेश कुमार ने डायरिया से ग्रस्त होने की शिकायत की।मलेरिया से तीन संक्रमित मिले शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खूबपुर, दुर्गापुरवा व सदर बाजार में सुबह से ही मरीजों की भीड़ नजर आई। केंद्रों पर अधिकतर मरीज बुखार व खांसी से ग्रस्त पहुंचे थे। कई मरीज ऐसे थे जिन्हें ठंड के साथ कई दिनों से बुखार आ रहा था। प्राथमिक तौर पर इनकी मलेरिया की जांच करवाई गई जिसमें से तीन पॉजिटिव मिले, इन सभी को दवाइयां दी गईं, चिकित्सक ने बताया 10 मरीजों की मलेरिया की जांच की गई, कोई भी पॉजिटिव नहीं निकला। मरीज स्नेहा सिंह बुखार व सर्वेश कुमार ने डायरिया से ग्रस्त होने की शिकायत की।

धारदार हथियार से किसान की हत्या, फार्महाउस में मिला शव

शरीर पर धारदार हथियार के निशान मिले, पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की

सीतापुर (संवाददाता)। क्षेत्र के जजौर गांव में स्थित एक फार्महाउस के कमरे के बाहर रविवार सुबह चारपाई पर किसान का शव पड़ा मिला। शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे, पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के गांव टिकौली ईश्वरदीन (50) जजौर गांव में अमित दीक्षित के फार्म पर रुकते थे। अमित का नौ बीघा खेत ईश्वरदीन ने बटाई पर ले रखा था। उसकी रखवाली के लिए बाग में एक कमरा बनाकर उसी में रहते थे। फार्महाउस में ट्यूबवेल भी लगा हुआ है। उसके पास ही रविवार सुबह ईश्वरदीन का खून से सना हुआ शव चारपाई पर पड़ा मिला। उनके माथे व आंख के पास चोट के निशान पाए गए हैं।जानकारी पर स्थानीय पुलिस, एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने साक्ष्य जुटाते हुए परिजनों के बयान भी दर्ज किए हैं। थानाध्यक्ष रोहित दुबे ने बताया कि मृतक के पुत्र रवि की तहरीर के आधार पर गांव के दो नामजद व अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया गया है, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। नामजद आरोपियों का ईश्वरदीन से कुछ दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसकी जांच की जा रही है।घर नहीं जाते थे ईश्वरदीन टिकौली से जजौर की दूरी करीब नौ किमी है। ईश्वरदीन की पत्नी की मौत काफी समय पहले हो चुकी है, इसके बाद से वह अपने घर बहुत ही कम जाते थे। दिन–रात वह खेत की रखवाली ही करते थे। ईश्वरदीन के दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं। इनमें से एक बेटी का विवाह हो चुका है।रात में बनाया था दाल–चावलईश्वरदीन पिछले करीब तीन वर्षों से जजौर गांव में रह रहे थे। वह खेत के साथ आम के बाग की भी रखवाली भी करते थे। रविवार रात उन्होंने दाल–चावल बनाया था। मौके पर चूल्हा और चावल व दाल से भरा हुआ बर्तन भी पाया गया। घटना की जानकारी होने के बाद सबसे पहले मृतक की भांजी रेखा मौके पर पहुंची थी। अपने मामा का शव देखकर वह रोने लगी। पुलिस के आने के बाद उसने नाराजगी भी जाहिर की। पुलिस ने सभी को दिलासा देते हुए हुए शांत कराया।चार टीमों का किया गया गठन घटना का खुलासा करने के लिए थाने की चार टीमों को लगाया गया है। मृतक के पास से कोई मोबाइल आदि नहीं मिला है। कई लोगों की तलाश की जा रही है, संदिग्ध माने जा रहे लोगों की लोकेशन के साथ ही कॉल का ब्योरा भी खंगाला जा रहा है। मृतक ने गांव में स्थित अपनी भांजी का खेत भी बटाई पर ले रखा है। इसके साथ ही फार्म मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।जल्द खुलासा करने के निर्देश कुछ लोगों पर पुलिस को शक है, शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। केस दर्ज करने के साथ ही टीमों को जल्द खुलासा किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुंबई कमाने निकला युवक ट्रेन से गिरा, मौत

बाराबंकी (संवाददाता)। संतकबीर नगर से मुंबई कमाने निकला युवक बाराबंकी–लखनऊ रेलखंड पर सफेदाबाद के पास ट्रेन से गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। रविवार शाम जब परिजन शव की शिनाख्त करने पहुंचे तो चीख–पुकार मच गई। जिस उम्मीद के साथ वह घर से निकला था, वो रास्ते में ही टूट गई। घटना रविवार सुबह की है। रेलवे ट्रैक पर युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची। तलाशी लेने पर युवक की जेब से आधार कार्ड और 530 रुपये मिले। आधार कार्ड के जरिये उसकी पहचान संतकबीर नगर जिले के सिंघवा निवासी गौतम कुमार (35) के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि गौतम विवाहित था और उसकी एक बेटी है।

अवैध खनन से हुए गढ्ढे में डूबे थे तीनों मासूम

खेत मालिक पर लगेगा जुर्माना, परिवाद भी होगा दर्ज

हरदोई (संवाददाता) । टड़ियावां थाना क्षेत्र के गौरा गांव में अवैध मिट्टी खनन ही तीन बच्चों की डूबकर मौत होने की वजह बना। खनन की वजह से हुए जिस गड्ढे में भरे पानी में बच्चे डूबे हैं, वहां खनन की अनुमति ही नहीं थी।डीएम के आदेश पर हुई जांच में इसकी पुष्टि होने के बाद खेत मालिक के खिलाफ परिवाद दाखिल करने और जुर्माना वसूलने की तैयारी की जा रही है। डीएम अनुनय झा और एसपी नीरज कुमार जादौन शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस भी पहुंचे। मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिया। पूरी घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक जताया है।टड़ियावां थाना क्षेत्र के गौरा गांव निवासी नरेंद्र का पुत्र पवनीश (6) शनिवार दोपहर बाद बाग में खेलने गया था। उसके साथ उसकी बुआ अंबेश्वरी का पुत्र दुर्गेश (7) और महेश्वरी का पुत्र कार्तिक (7) भी थे। बाग से आगे यह लोग हृदयराज सिंह चंदेल के खेत में चले गए थे। यहां मिटट्टी खनन के कारण हुए गड्ध्ढे में भरे पानी में डूबकर तीनों की मौत हो गई थी। घटना की जानकारी पर डीएम अनुनय झा ने एसडीएम सदर एसके मिश्रा को रात में ही मौके पर भेजा था। इसके बाद खनन विभाग की टीम भी जांच के लिए गई थी।विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक हृदयराज सिंह ने गाटा संख्या सात में स्थित खेत में मिट्टी खनन की अनुमति ली थी। इसकी जगह मिट्टी का खनन गाटा संख्या चार में स्थित खेत में कर दिया गया। बिना अनुमति खनन किए जाने की पुष्टि होने पर हृदयराज सिंह चंदेल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। डीएम अनुनय झा ने बताया कि बिना अनुमति खनन करने के आरोप में शमन शुल्क वसूला जाएगा। साथ ही मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में खनन विभाग की ओर से एक परिवाद भी बिना अनुमति खनन किए जाने को लेकर दाखिल किया जाएगा। खनन से हुआ गड्ध्ढा रात में ही भरवाया गया गौरा के जिस खेत में अवैध खनन के गड्ढे में डूबकर तीन बच्चों की मौत हुई, उसे रात में ही भरवा दिया गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम एसके मिश्रा ने नाराजगी जताई और मौजूद मिले राजस्व कर्मियों को फटकारा भी। एसडीएम के तेवर देख राजस्व कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर अवैध खनन के गड्ढे को भरवाया।अवैध खनन नहीं होने देंगे, किसी को शिकायत हो तो एसडीएम को बताएं रू डीएमजिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा है कि जनपद में किसी भी हाल में अवैध खनन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध खनन को लेकर अब तक आई शिकायतों की जांच कराई जा रही है। यह भी चिंहित कराया जा रहा है ।

ऑटो पलटने से सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराया

हरदोई (संवाददाता)। बरेली में हुए सड़क हादसे में महिला भाजपा नेता और उसकी बहन के पुत्र (बहनौता) की मौत हो गई। हादसे में भाजपा नेता के भाई–बहन समेत पांच लोग घायल भी हुए हैं।पाली थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी आलोक पाठक खेती करते हैं। उनकी पत्नी शोभा पाठक (35) भाजपा की मंडल मंत्री थीं। शोभा समूह सखी भी थीं। भतीजे आशुतोष के मुताबिक शनिवार सुबह आठ बजे शोभा बरेली के मनौना धाम जाने के लिए घर से निकली थीं। उनके साथ उनकी छोटी बहन फर्रुखाबाद के अमृतपुर थाना क्षेत्र के उमरौर निवासी ललिता (32), ललिता की पुत्री अंजली (12), पुत्र लक्ष्य (10) और मोक्ष (3) भी थे, शोभा का भाई शिवम (22) और गांव निवासी मोनू वाजपेयी (26) भी गए थे। यह सभी लोग आंझी रेलवे स्टेशन से बरेली के लिए ट्रेन पर सवार हुए थे। सीधे मनौना धाम गए थे। उनकी पत्नी शोभा पाठक (35) भाजपा की मंडल मंत्री थीं। शोभा समूह सखी भी थीं।

दो करोड़ से संडीला रजबहा की होगी पुनर्स्थापना

हरदोई (संवाददाता)। शासन ने किसानों को सिंचाई सुविधा के साथ ही शारदा नहर विभाग की भूमि के सीमांकन पर भी ध्यान दिया है। शासन ने सिंचाई और जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता के प्रस्ताव पर संडीला रजबहा की पुनर्स्थापना और भूमि के सीमांकन के लिए दो करोड़ से अधिक रुपये की स्वीकृति दी है।सिंचाई और जल संसाधन विभाग ने नहरों, रजबहों और माइनर की पुनर्स्थापना और साफ–सफाई पर ध्यान दिया है। किसानों को निशुल्क सिंचाई की सुविधा दी गई है। खरीफ फसलों का सीजन चल रहा है। खरीफ की मुख्य फसल ध ाान के लिए पानी की अधिक आवश्यकता होती है। सिंचाई विभाग ने जिले में निकले करीब 25 किलोमीटर लंबाई वाले संडीला रजबहा की पुनर्स्थापना और भूमि सीमांकन का प्रस्ताव शासन को भेजा था।जिले के प्रस्ताव पर तकनीकी स्वीकृति के साथ ही प्रमुख अभियंता ने 19 मई को प्रस्ताव वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति के लिए शासन में भेजा। शासन ने प्रस्ताव के परीक्षण के बाद प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दी है। शासन के संयुक्त सचिव रमाकांत वर्मा ने स्वीकृति का आदेश जारी कर दिया है। इसमें कहा कि तीन करोड़ के प्रस्ताव पर शासन ने दो करोड़, 29 लाख, 86 हजार रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति चालू वित्तीय वर्ष में दी है।शासन ने स्वीकृति के साथ ही रुपये भी दे दिए हैं। इससे जल्द ही प्रक्रिया पूरी कराते हुए काम भी शुरू कराए जाने की उम्मीद है।

जेल की सुरक्षा होगी मजबूत, लगेंगे कैमरे

बाराबंकी (संवाददाता)। जला जेल की सुरक्षा अब और मजबूत होने जा रही है। जेल के अंदर ही नहीं, खेत–खलिहान व आसपास के इलाके में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सुरक्षा के लिए 30 नए कैमरे लगने वाले हैं। ये कैमरे नाइट विजन और हाई क्वालिटी वाले होंगे ताकि रात में भी साफ नजर रखी जा सके। जेल प्रशासन का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है, जल्द ही कैमरे लगाने का काम शुरू हो जाएगा। बाराबंकी जेल में फिलहाल 50 कैमरे लगे हैं। इनमें से 10 कैमरे ऐसे हैं जो वेबकास्टिंग के जरिये सीधे लखनऊ स्थित जेल मुख्यालय से जुड़े हैं। वहां के अधिकारी भी लाइव निगरानी कर सकते हैं। देवा रोड के किनारे बनी इस जेल के चारों ओर खेत–खलिहान हैं।

बिजली गिरने से दो की मौत, सात घायल-खेत की रोपाई के वक्त हुआ हादसा

गोरखपुर (संवाददाता) पिपराइच इलाके के अगया छोटा टोला में नवमीनाथ सुबह आठ बजे खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बिजली की चपेट में आ गए।

परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।सोमवार की सुबह गरज–चमक के साथ हुई बारिश में पिपराइच इलाके में बिजली गिरने से दो की मौत हो गई। अगया छोटा टोला में खेत में काम करते समय नवमीनाथ शर्मा (45) और घर से बाहर जाते समय बेला निवासी राकेश पासवान (35) की मौत हो गई। राकेश की पुत्री अनन्या (10) घायल हो गई। वहीं, चौरीचौरा इलाके में करीब छह लोग घायल हो गए।जानकारी के मुताबिक, पिपराइच इलाके के अगया छोटा टोला में नवमीनाथ सुबह आठ बजे खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बिजली की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेला में राकेश किसी काम से घर से बाहर जा रहे थे।गांव के उत्तर पुल तक पहुंचे थे कि बिजली की चपेट में आ गए। साथ में उनकी बेटी अनन्या की घायल हो गई। सीएचसी पिपराइच ले जाने पर राकेश को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, अनन्या का इलाज चल रहा है।

राकेश मोटर मेकैनिक का काम करते थे। पुलिस ने नवमीनाथ और राकेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।सोमवार की सुबह गरज–चमक के साथ हुई बारिश में पिपराइच इलाके में बिजली गिरने से दो की मौत हो गई।

दो महीने से बालिका लापता...पिता ने बेचे जाने की जताई आशंका

गोरखपुर (संवाददाता)।क्राइम गीडा इलाके की एक 11 वर्षीय बालिका आठ अप्रैल से घर से लापता है। पिता की तहरीर पर 11 अप्रैल को पुलिस ने बहला–फुसला कर अपहरण का केस दर्ज किया था। पिता ने पुलिस को बताया कि बस्ती के एक युवक से इंस्टाग्राम के माध्यम से बेटी की दोस्ती हो गई थी। दोनों में काफी चौटिंग होती थी।

दो माह से घर से लापता बालिका (11) के बारे में पुलिस पता नहीं लगा सकी है। वह एक युवक संग के साथ कहीं चली गई थी। कुछ दिनों बाद युवक घर आ गया है लेकिन वह नहीं आई।

पिता ने बेटी के बेचे जाने की आशंका जताई है। इसके बाद एसपी ने विवेचक को बदलकर बालिका को जल्द खोजने के निर्देश दिए हैं।जानकारी के अनुसार, गीडा इलाके की एक 11 वर्षीय बालिका आठ अप्रैल से घर से लापता है। पिता की तहरीर पर 11 अप्रैल को पुलिस ने बहला–फुसला कर अपहरण का केस दर्ज किया था।

बारिश से मौसम में नमी, बढ़ी लोगों की परेशानी, जगह-जगह हुआ जलभराव, गर्मी से मिली राहत

गोरखपुर (संवाददाता)। सोमवार सुबह से ही तेज गरज के साथ बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। सुबह से ही हल्के बादल अभी भी आसमान में छाए रहे। हालांकि, सुबह सुबह बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। शहर के कई प्रमुख चौराहों गलियों में बारिश के पानी से जलभराव हो गया।गोरखपुर में मौसम ने करवट ली है। रविवार शाम को तेज आंधी और ठंडी हवाओं ने शहरवासियों को गर्मी से राहत दी। रात और भोर में शहर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में गिरावट आई। सोमवार सुबह से ही तेज गरज के साथ बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया।सुबह से ही हल्के बादल अभी भी आसमान में छाए रहे। हालांकि, सुबह सुबह बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। शहर के कई प्रमुख चौराहों गलियों में बारिश के पानी से जलभराव हो गया। लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले तीन दिनों में गोरखपुर और आसपास के इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।बारिश से तापमान में और गिरावट आ सकती है। किसानों की फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद हो सकती है। हालांकि अधिक बारिश से जलभराव की स्थिति बन सकती है। बारिश को लेकर महेवा मंडी में सुबह से ही व्यापारियों को व्यापार करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा।हर तरफ जल जमाव के बीच वाहन खड़े रहे। दुकानों के बाहर भी पानी लग गया जिससे व्यापारियों के आने–जाने में परेशानी हुई। 12 साल की होने पर थोड़ी बहुत हलचल हुई जिससे कुछ व्यापारियों ने खरीदारी की। शहर के कई प्रमुख चौराहों गलियों में बारिश के पानी से जलभराव हो गया।गोरखपुर में मौसम ने करवट ली है। रविवार शाम को तेज आंधी और ठंडी हवाओं ने शहरवासियों को गर्मी से राहत दी। रात और भोर में शहर के कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे तापमान में गिरावट आई। सोमवार सुबह से ही तेज गरज के साथ बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया।सुबह से ही हल्के बादल अभी भी आसमान में छाए रहे। हालांकि, सुबह सुबह बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। शहर के कई प्रमुख चौराहों गलियों में बारिश के पानी से जलभराव हो गया। लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले तीन दिनों में गोरखपुर और आसपास के इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।बारिश से तापमान में और गिरावट आ सकती है। किसानों की फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद हो सकती है। हालांकि अधिक बारिश से जलभराव की स्थिति बन सकती है। बारिश को लेकर महेवा मंडी में सुबह से ही व्यापारियों को व्यापार करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा।हर तरफ जल जमाव के बीच वाहन खड़े रहे।

किसान की संदिग्ध हालात में मौत

सीतापुर (संवाददाता)। क्षेत्र के मूडाखुर्द गांव में रविवार को घास काटने गए किसान की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजन करंट लगने से मौत की आशंका जता रहे हैं। गांव निवासी महिपाल (55) सुबह अपने मवेशियों के लिए घास काटने गए थे। दोपहर तक वापस न आने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। गावं के पश्चिम पुत्तन के खेत के आसपास लगे कटीले तारों से करीब दो मीटर दूरी पर वह झुलसे हुए मिले। परिजनों ने उनको सीएचसी में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पिसावां विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता ने बताया कि बिजली की लाइन व पोल करीब 35 मीटर की दूरी पर है, कहीं तार भी टूटा नहीं है।

पंच दिवसीय श्री राम कथा श्री रामेश्वरम स्थापना कथा कलश यात्रा

उतरौला बलरामपुर उतरौला में आस्था और श्रद्धा की धरती एक बार फिर धर्म प्रेम और राम भक्ति में सराबोर हो उठे है। ग्राम पिपरा घाट तिराहा पर स्थित मोहल्ला आर्य नगर में बाबा श्री दुःख हरण नाथ मन्दिर सेवा समि ति एवं सनातन हिन्दू धर्म प्रेमी समुदाय के तत्वावधान मेंआयोजित पंच दिवसीय श्रीराम कथा के शुभारम्भ करने से पूर्व में सोमवार को एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सायं 4 बजे से दुःख हरण नाथ मन्दिर से आरम्भ होकर कलश यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। पीला वस्त्र धारण किए महिलाओं और कन्या ओं ने अपने सिर पर पवित्र कलश लेकर राम नाम संकीर्तन करते हुए नगर को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

कलश यात्रा में मुख्य यजमान त्रिपुरारी गिरि, महन्त मयंक गिरि, सामाजिक कार्यकर्ता राधे श्याम वर्मा, तथा पंडित फूल चन्द महा राज की गरिमामयी उप स्थिति रही, जिनके साथ सैकड़ों श्रद्धालु गणों ने नगर भ्रमण किया।श्रीराम कथा का विधि वत शुभारम्भ आज रात्रि लगभग 7 बजे से शुरू होगा। प्रेम मूर्ति युवा सन्त सर्वेश जी महाराज नया घाट वशिष्ठ भवन, अयोध्या के द्वारा श्री रामचरित मानस पर आधारित कथा का वाचन किया जाएगा, जो प्रतिदिन रात्रि11 बजे रात्रि तक चलेगा। और पूर्णाहुति होने पर एक विशाल भण्डारा 28 जून को आयोजित किया जाए गा।कथा आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे परम पूज्य श्री योगीमिथिलेश नाथ जी महाराज पीठा धीश्वर शक्तिपीठ देवी पाटन मंडल की उपस्थि ति में आयोजन किया जाएगा।

भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिवस के अवसर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे पुण्य तिथि का आयोजन किया।

उतरौला बलरामपुर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्य कर्ताओ ने सोमवार को बलिदान दिवस के अव सर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे पर पुण्य तिथि का आयोजन कि या गया। और उनके किए गए राष्ट्रीय व सामाजिक कार्य का स्मरण भी किया गया। दो मिनट का मौन रख उनको नमन भी किया। उतरौला भाजपा कार्या लय पर कार्यकर्ताओं ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। विध ायक राम प्रताप वर्मा व चेयरमैन प्रतिनिधि अनूप चन्द गुप्ता ने कहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता व अखंडता के लिए प्राणों को न्योछावर कर दिया है। इसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। वह एक प्रखर राष्ट्रवादी थे। कभी अपने सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया। सम्पूर्ण जीवन उपलब्धियों के साथ साथ त्याग से भरा हुआ है। भाजपा विधानसभा संयोजक सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज उन्हीं की प्रेरणा, त्याग और समर्पण की देन है, कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर से धारा 370 हटाने का निर्णय लिया। नगर अध्यक्ष फरिन्द्र गुप्ता ने कहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन के अल्पकाल में राष्ट्र को नई दिशा देने का काम किया है इनके बताए हुए सिद्धान्तों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र वाद को नई धारा देने का काम किया। जिसे केन्द्र व प्रदेश सरकार मूर्त रूप दे रही हैजिला संयोजक महेंन्द्र प्रताप सिंह ने कहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक, शिक्षाविद, देश भक्त व भारत की अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पथ प्रदर्शक थे। इनकेबताए आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र को सशक्त बनाया जा सकता है। इस मौके पर रोहि राज गुप्ता, रमे श जयसवाल,सुधीर पटे ल दीपक गुप्ता,ओम प्रकाश गुप्ता,विकास कुमार,कपिल कुमार, संजय गुप्ता,बलराम गुप्ता,दुर्गा प्रसाद, राज कुमार कौशल सभासद सहित भाजपा के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल निगम की लापरवाही के चलते सामरा गेस्ट हाउस के बगल सरकारी बस गड्ढे में जाकर फंस गई।

उतरौला बलरामपुर आदर्श नगर पालिका में स्थित मोहल्ला सुभाष नगर में जल निगम की लापरवाही का खामि याजा वाहन चालकों को भुगतना पड़ा रहा है। सोमवार को सामरा गेस्ट हाउस के बगल सरकारी बस पानी की पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में बुरी तरह से फंस गई है।

यह घटना उस समय हुई, जब गोण्डा उतरौला बस स्टाप पर जा रही थी। सरकारी बस यूपी 78 के टी 68 87 नगर में स्थित मोहल्ला सुभाष नगर में स्थित सामरा गेस्ट हाउस के बगल बस स्टॉप पर आ रही बस का दाहिना पहिया जल निगम के द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढे में फंस गई बस फंसते ही यात्रि यों में अफरा– तफरीमच गई। स्थानीय सभासद विकास कुमार गुप्ता ने बताया कि जल निगम कम्पनी ने कुछ दिन पहले पानी की पाइप लाइन के कनेक्शन के लिए यह गड्ढा खोदा गया था। उन्होंने यह भी बताया कि इस समस्या की शिकायत कई बार जल निगम के अधिका रियों से की गई थी। लेकिन बारिश के होने के कारण से गड्ढों को नहीं भरा जा सका।

नगर के सड़कों पर मौजूद ऐसे खुले गड्ढे स्थानीय लोगों और यात्रियों के लिए खतरा बने हुए हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

नगर पालिका परिषद के द्वारा समय-समय पर छुट्टा जानवरों को पकड़ कर गौशाला भेजना

उतरौला बलरामपुर आदर्श नगर पालिका परिषद उतरौला ने बीते दो वर्षों में उल्लेखनीय विकास कार्य कर नगर की तस्वीर को बदल दी गई है। नगर पालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता व अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप चन्द गुप्ता के निर्देशन में धार्मिक स्थलों, सार्व जनिक सुविधाओं व नागरिक संरचनाओं में व्यापक सुधार हुआ है। दुःखहरण नाथ मन्दिर के पोखरे को पर्यटन स्थल के रूप में विक सित किया गया है। यहां पर हाईमास्ट,रंगीन लाइटें व फव्वारे लगाए गए हैं, जिससे यहस्थल नगर का आकर्षण बन गया है। गोण्डा मोड़ से तिराहे से लेकर अम्बेड कर चौराहा तक डामर व सी सी रोड का निर्मा ण नाले का निर्माण कार्य और नगर के 25 वार्डो में 56 वाटर कूलर की स्थापना से और भी सुविधाएं बढ़ी हैं। चुंगी नाका, कोतवाली परि सर मसूदीयां पार्क व अन्य स्थलों पर हाई मास्ट लाइटिंग की गई है।फल मंडी को नगर से बाहर स्थानांतरित किया गया है,और छुट्टा जानवरों को पकड़कर गौशाला भेजा गया है। अस्पताल रोड पर स्ट्रीट लाइटिंग से राहगीरों को राहत मिली है। अध्यक्ष सविता गुप्ता व प्रतिनि धि अनूप चन्द गुप्ता ने नागरिकों को और बेह तर सुविधाएं देने की प्रतिबद्धता जताई है। नगर वासियों ने इन सभी प्रयासों की सरा हना की है।

वन इंडिया फैशन शोरूम का हुआ भव्य उद्घाटन।।

वाराणसी राजेश सेठ
समुदाता वाराणसी साक्षी सेठ

वन इंडिया फैमिली मार्ट अब पहले से भी जी बेहतर,एक नए अंदाज में श्वन इंडिया फेशनश ।

वाराणसीरू– देशभर में फैशन रिटेल क्षेत्र में अपनी खास पहचान बना चुके वन इंडिया फैमिली मार्ट ने अब एक नए रूप में कदम बढ़ाया है उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों और उनकी खरीदारी को और अधिक सुविध ाजनक,आकर्षक और लाभदायक बनाने के उद्देश्य से वन इंडिया फैमिली मार्ट अब एक नए अवतार में वन इंडिया फैशन' बन गया है द्य काशी की जनता की सुविधा का ख्याल रखते हुए लहरतारा स्थित वन इंडिया फैशन शोरूम का हुआ भव्य उदघाटन अशोक तिवारी महापौर वाराणसी और एडवोकेट अशोक कुमार जाटव महानगर उपाध यक्ष भाजपा ने फीता काटकर उद्घाटन किया,दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ द्यउदघाटन समारोह में कंपनी की तरफ से एरिया मैनेजर विवेक पांडे तथा एरिया एलपी मनीष शर्मा उपस्थित रहे ।

एडवोकेट अशोक कुमार जाटव महानगर उपाध्यक्ष भाजपा ने बताया की वाराणसी में वन इंडिया फैशन शोरूम की दूसरी शाखा का उद्घाटन हुआ है लहरतारा के निवासियों को अब दूर जाना नहीं पड़ेगा यहां ग्राहकों की सभी सुविधाएं एक छत के निचे उपलब्ध है ।

वन इंडिया फैशन शोरूम के एरिया मैनेजर विवेक पाण्डेय ने बताया की यह परिवर्तन केवल नाम का नहीं, बल्कि सेवा,गुणवत्ता और उपभोक्ता अनुभव के हर पहलू में बेहतरी का प्रतीक है अब वन इंडिया फैशन में ग्राहकों को मिलेगा बेहतर वैरायटी, बेहतर क्वालिटी और बेहतर दाम द्य हमारी नई पेशकश में 50,000 से भी अधिक फैशन कलेक्शन उपलब्ध हैं जिनमें ट्रेंडी कपड़े,एसेसरीज और फैमिली शॉपिंग के लिए हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त विकल्प मौजूद हैं द्य पिछले वर्षों में ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं और उनकी खरीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए हमने अपने सभी 50 स्टोर्स को,जो कि देश के नौ राज्यों में फैले हुए हैं एक नए रूप में ढालने का कार्य शुरू किया है ।

ग्राहकों की शॉपिंग को और भी आनंददायक बनाने के लिए हर खरीदारी पर सुनिश्चित उपहार के साथ–साथ लकी ड्रा के माध्यम से आकर्षक इनाम जीतने का मौका भी प्रदान किया जा रहा है द्य हमारी कोशिश है कि फैशन से जुड़ी हर जरूरत को एक ही छत के नीचे कम समय में और आसानी से पूरा किया जा सके द्य यह केवल एक बदलाव नहीं बल्कि ग्राहकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है द्य वन इंडिया फैशन अब फैशन की नई पहचान ।

कंपनी के मालिक जयप्रकाश शुक्ला का उद्देश्य कम दाम में उचित गुणवत्ता का सामान ग्राहकों तक पहुंचाना है द्य कंपनी के सीओओ गुरप्रीत सिंह भाटिया का कहना है कि महानगरों के साथ–साथ 2 जपमत'टक 3 जपमत बपजपमे को भी कवर कर रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी सुविधा को पहुंचा सके ।

उद्घाटन समारोह में अशोक तिवारी महापौर वाराणसी,एडवोकेट अशोक कुमार जाटव महानगर उपाध यक्ष भाजपा महानगर उपाध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर वाराणसी,तिरुपति मिश्रा महानगर उपाध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर वाराणसी,पंकज सिंह महानगर उपाध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर वाराणसी,एरिया एलपी मनीष शर्मा, एरिया मैनेजर विवेक पाण्डेय सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे द्य

मेकओवर राजातालाब के हॉल में एक दिवसीय सुपर वर्कशॉप का आयोजन हुआ !

वाराणसी राजेश सेठ

वाराणसी महिला सशक्तिकरण सेवा समिति की के सौजन्य से वाराणसी में प्रथम बार नैनो प्लास्टिया ट्रीटमेंट का वर्कशॉप हुआ डी मेकओवर राजातालाब के हॉल में एक दिवसीय सुपर वर्कशॉप का आयोजन हुआ

जिसमे एक्सपर्ट ट्रेनर ममता सिंह ने हेयर के रख रखाव की बारीकियों के बारे में को बताया गया जिसमें पूर्वांचल की सैकड़ो ब्यूटीशियन महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया

विगत वर्ष संस्था ने मेकअप में विश्वकृतिमान भी बनाया था

विगत वर्षों में संस्था ने सैकड़ों महिलाओं को सिलाई कढ़ाई ब्यूटीशियन हस्तशिल्पकला में

प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर

बनाने का प्रयास किया है

जिसमे पूर्वांचल जिले की सैकड़ो

ब्यूटीशियन एक्सपर्ट ने भाग लिया था

संस्था द्वारा असहाय दिव्यांग बच्चियों महिलाओं को संस्था निशुल्क प्रशिक्षण देती है कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक शरद कुमार गोस्वामी किया इसमें संस्था की सभी प्रमुख संचालिका रेखा ,संगीता तारा कविता सुमन रूपा साधना अमिता गीता ललिता सुषमा अनिता कविता निशा एवं सभी महिलाएं उपस्थित रही।

39 जिलों में कंपोजिट स्कूलों का निर्माण शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और समावेशी बनाने की दिशा में 39 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वहीं 10 अन्य जिलों में भी जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी है। शेष अन्य जिलों के लिए वित्तीय स्वीकृति व भूमि चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण होना है । पिछले दिनों एक कार्यक्रम में सीएम ने 39 जिलों के विद्यालयों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। इसके बाद यहां काम शुरू कर दिया गया है। वहीं इनके साथ जिलों में निर्माण के बाद दूसरे चरण में भी हर जिले में 1–1 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय का निर्माण प्रस्तावित है। इस प्रकार हर जिले में 2–2 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण की कार्ययोजना है। इन विद्यालयों में प्री–प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की सभी कक्षाएं एक ही परिसर में चलेंगी। 5 से 10 एकड़ भूमि पर 30 करोड़ की लागत से यह विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में देर रात एक साथ 127 उप जिलाधिकारियों के तबादले, शशिभूषण पाठक बने अमरोहा के एसडीएम

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश सरकार ने रविवार देर रात 127 उप जिलाधिकारियों को इधर से उधर कर दिया। इनमें से अधिकतर वे उप जिलाधिकारी शामिल हैं, जिन्हें एक स्थान पर तैनाती के तीन साल पूरे हो गए थे। यह सूची काफी समय से प्रतीक्षा में थी, जो रविवार को जारी हो गई। सीतापुर के एसडीएम कुमार चंद्रबाबू का बदायूं ट्रांसफर कर दिया गया है। सहारनपुर की एसडीएम संगीता राघव को विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ विकास प्राधिकरण बनाया गया है। मथुरा की उपजिलाधिकारी श्वेता को सहायक निदेशक उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी बनाया गया है। लखनऊ मेट्रो के विशेष कार्याधिकारी अजय आनंद वर्मा को औरैया का एसडीएम बनाया गया है। एलडीए के विशेष कार्याधिकारी शशि भूषण पाठक को अमरोहा का एसडीएम बनाया गया है।

देश पर थोपे गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा इसे लोकतंत्र के काले अध्याय के तौर पर पेश करेगी। जनता तक आपातकाल की सच्चाई बताने के लिए भाजपा की ओर से अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत प्रदेश से जिला स्तर तक प्रदर्शनियां लगाकर संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने रविवार को भाजपा मुख्यालय में वर्चुअल बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। प्रदेश भर के जिला पदाधिकारियों को आपातकाल अभियान से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और बताया गया कि कौन–कौन से कार्यक्रम होने हैं। ध र्मपाल सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान आम लोगों खासकर युवाओं को आपातकाल लागू करने वाली कांग्रेस सरकार के काले कारनामों का सच बताया जाएगा।

सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने तीन विधायकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और मनोज कुमार पांडेय पर कार्रवाई की है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए समाजवादी पार्टी ने जानकारी दी है कि विधायक अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को ध्सनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी, कारोबारी विरोधी , नौकरीपेशा विरोधी और ध्पीडीए विरोधीध् विचारधारा का समर्थन करने के कारणध् निष्कासित कर दिया। गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह, गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज कुमार पाण्डेय पर समाजवादी पार्टी ने एक्शन लिया है।

केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भाई के इलाज के लिए चीखती रही महिला, गार्ड पर मारपीट का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। राजध ानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रॉमा सेंटर का रविवार को एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में एक महिला चिल्लाते हुए अपने भाई को इलाज नहीं मिलने की कह रही है। गार्ड पर मारपीट का आरोप लगा रहे है। वहीं, केजीएमयू प्रशासन ने मारपीट की घटना से इन्कार किया है। वीडियो में नजर आ रही महिला का कहना है कि उसके भाई को ऑक्सीजन की जरूरत है, लेकिन उसे मिल नहीं रही। जब वह वीडियो बनाने लगी तो गार्ड उसका मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगे। वहीं, केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह का कहना है कि वीडियो की जांच की गई है। उनके मुताबिक मारपीट का कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिला। उनके मुताबिक, वीडियो में गार्ड सिर्फ महिला की ओर जाते नजर आ रहे हैं। इसमें किसी प्रकार की आक्रामकता नजर नहीं आ रही है। प्रो. केके सिंह ने कहा कि वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रॉमा सेंटर मरीजों से पूरी तरह से भरा हुआ है। सभी स्ट्रेचर, वार्ड में मरीज मौजूद हैं। यहां कम संसाधनों के बावजूद बेहतर इलाज किया जा रहा है। वीडियो में एक महिला चिल्लाते हुए अपने भाई को इलाज नहीं मिलने की कह रही है। गार्ड पर मारपीट का आरोप लगा रही है। वहीं, केजीएमयू प्रशासन ने मारपीट की घटना से इन्कार किया है।

15 अगस्त के बाद नए रूप में दिखेगा अमौसी एयरपोर्ट का रनवे, विमानों की लैंडिंग-टेकऑफ होगा आसान

लखनऊ (संवाददाता)। अमौसी एयरपोर्ट पर समानांतर टैक्सीवे आकार लेने लगा है। इसके बन जाने से रनवे पर विमानों की लैंडिंग व टेकऑफ आसान हो जाएगा। यह काम 15 अगस्त से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहली मार्च से दिन की उड़ानें बंद कर दी गई थीं। यहां सुबह 11 से शाम पांच बजे तक की उड़ानों का संचालन नहीं हो रहा है। इस दौरान अमौसी एयरपोर्ट पर तीन प्रमुख कार्य कराए जा रहे हैं। समानांतर टैक्सी वे, एजीएल सिस्टम अपग्रेडेशन व रनवे की रिकार्पेटिंग। इन कामों के पूरा हो जाने के बाद एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ जाएगी। विमानों का संचालन आसान व सुरक्षित हो जाएगा। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया कि 15 जुलाई तक सुबह 11 से शाम पांच बजे तक निर्माण व मरम्मत कराई जाएगी। इसके बाद 16 जुलाई से 15 अगस्त तक सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक कार्य होंगे। लक्ष्य रखा गया है कि इस मियाद में ही सारे कार्य पूरे करा लिए जाएं, ताकि 16 अगस्त से दिन की उड़ानों का संचालन बहाल कर दिया जाए। सूत्र बताते हैं कि समानांतर टैक्सीवे का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। अन्य कार्य भी प्रगति में हैं। एयरपोर्ट पर मौजूदा रनवे की लंबाई 2,744 मीटर व चौड़ाई 45 मीटर है। इस रनवे के समानांतर एक टैक्सीवे (पी–9) बनाया जा रहा है। विमानों को लैंडिंग के बाद टैक्सीवे पर लाया जाता है, जिससे रनवे खाली होने पर दूसरी फ्लाइट लैंड व टेकऑफ करती है। समानांतर टैक्सीवे बन जाने से विमानों को आसानी से रनवे पर लाया व हटाया जा सकेगा, जिससे विमानों का संचालन तीव्र व सुगम हो सकेगा। इससे सुरक्षा भी बढ़ती है। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया कि एयरपोर्ट पर रनवे की रिकार्पेटिंग (मेंटेनेंस) वर्ष 2018 में हुई थी।

नशे में धुत कैब चालक ने महिला यात्री से की छेड़छाड़

लखनऊ (संवाददाता)। आलमबाग में शुक्रवार को नशे में ध ुत कैब चालक ने महिला यात्री से छेड़छाड़ की और मचाने पर पीड़िता को होमगार्ड चौराहे पर छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने शनिवार को छेड़छाड़ की धारा में एफआईआर दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। आशियाना निवासी महिला के मुताबिक, शुक्रवार शाम उन्होंने काम से बाहर जाने के लिए कैब बुक की थी। महिला का आरोप है कि कैब चालक शराब के नशे में ध ुत था और उन्हें गलत रास्ते की ओर ले जाने लगा। विरोध करने पर उनसे छेड़छाड़ करने लगा। जब वह शोर मचाने लगीं तो उन्हें आलमबाग में होमगार्ड चौराहे पर उतार कर भाग निकला। इसके बाद उन्होंने आलमबाग थाने पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के मुताबिक, छेड़खानी के दौरान उन्होंने मोबाइल से आरोपी की फोटो खींच ली थी। इंस्पेक्टर सुभाष सरोज ने बताया कि फोटो, सीसीटीवी फुटेज और गाड़ी नंबर ट्रेस कर आरोपी कैब चालक राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बिजली कर्मियों ने किया आगाह, निजीकरण हुआ तो लालटेन युग में लौट जाएगा प्रदेश, पहले भी वापस हुए हैं प्रस्ताव

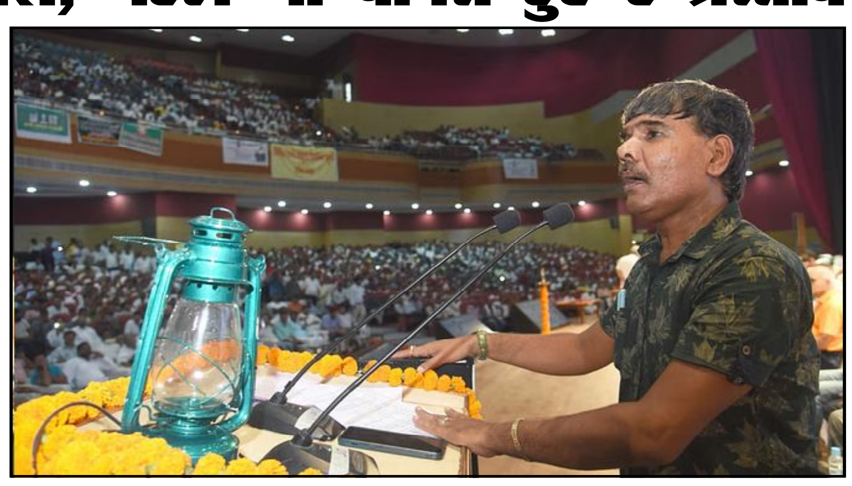

लखनऊ (संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से राजधानी में आयोजित महापंचायत ने निर्णय लिया कि प्रदेश में बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में 9 जुलाई को देश के 27 लाख बिजलीकर्मी एक दिन की राष्ट्रव्यापी सांकेतिक हड़ताल करेंगे। बिजलीकर्मी, रेल कर्मचारी, राज्य कर्मचारी, किसान और उपभोक्ता व्यापक आंदोलन का हिस्सा बनेंगे। इसकी तैयारी के तहत 2 जुलाई को देशभर में व्यापक विरोध किया जाएगा। समिति ने चेतावनी दी कि इसके बाद भी प्रबंध न ने फैसला नहीं बदला तो जेल भरो आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। अगले चरण में इसकी भी तिथि घोषित की जाएगी। प्रदेश में बिजली निजीकरण का फैसला पहले भी दो सरकारें वापस ले चुकी हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने निजीकरण का फैसला वापस लेने की मांग की है, क्योंकि विद्युत नियामक आयोग ने निजीकरण के फैसले में कई आपत्तियां निकली हैं। इन आपत्तियों से स्पष्ट हो गया है कि निजीकरण का प्रस्ताव ही गलत है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा 2006 में उपभोक्ता परिषद की याचिका पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की सरकार ने निजीकरण के तहत सेस फ्रेंचाइजी का फैसला वापस हुआ था। यह फ्रेंचाइजी लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र माल, मलिहाबाद, काकोरी से संबंधित था। जिस दिन उसका टेकओवर किया जा रहा था, उसी दिन विद्युत नियामक आयोग द्वारा पूरे मामले पर रोक लगा दी गई थी। ऐसे में सरकार ने फैसला वापस ले लिया। इसी तरह वर्ष 2014 में जब पांच शहरों में बिजली के निजीकरण का मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में कैबिनेट से पास हुआ था। मगर उपभोक्ता परिषद की याचिका पर विद्युत नियामक आयोग द्वारा अवमानना नोटिस जारी किए जाने के बाद उसे भी वापस कर लिया गया था। उपभोक्ता परिषद ने आगाह किया है कि यदि जबरन प्रदेश में बिजली का निजीकरण हुआ तो उसके दो नुकसान होंगे। एक तो बिजली के दाम कई गुना बढ़ जाएंगे दूसरी तरफ गांवों की बिजली व्यवस्था फिर से लालटेन युग में लौट जाएगी। अब वर्तमान में जब विद्युत नियामक आयोग के सामने उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन का पूरा मसौदा वित्तीय और विधिक सलाह के लिए पेश किया गया तो उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने उसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय और सांविधानिक कमियां उजागर करते हुए अपनी अंतिरम रिपोर्ट पेश कर दी है। ऐसे में विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि अब निजीकरण का फैसला वापस ले लिया जाए। उन्होंने कहा कि कहा उपभोक्ता परिषद हमेशा से ही कानूनन और सही तथ्य आयोग के सामने रखना चला आ रहा है। इस बार भी उपभोक्ता परिषद की आधा दर्जन लोकमहत्व प्रस्ताव के परिपेक्ष्य में ही उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार के निजीकरण के मसौदे में बड़े पैमाने पर वित्तीय और सांविधानिक कमियां पाई हैं।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।